Vol 6 Issue 11 Dec 2016

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Research Journal

ISSN: 2230-7850 Impact Factor : 4.1625(UIF) Volume - 6 | Issue - 11 | December - 2016

माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन

सन्दीप कुमार श्रीवास[1] , डॉ. अरुण कुमार[2]
[1]शोध छात्र, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में न्यादर्श के रूप में 250 छात्रों को सम्मिलित किया गया है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ज्ञात करने हेतु "डॉ0 तारेस भाटिया एवं डॉ0 एस. सी. शर्मा द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य मापनी (MHS) प्रमापीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है तथा प्राप्तांकों का विश्लेषण प्रतिशत की मदद से किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के अत्यधिक उच्च स्तर पर 0.8% ही छात्र है तथा 62% छात्रों का ही मानसिक स्वास्थ्य औसत है जो उनके समुचित विकास हेतु उपयुक्त नहीं है।

संकेत शब्द :– मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य के आयाम।

अध्ययन की पृष्ठभूमि :–
प्रत्येक बालक का अपना एक प्राकृतिक एवं सामाजिक वातावरण होता है, जिसमें वह रहता है और जीता है। जो बालक अपने प्राकृतिक एवं सामाजिक वातावरण के अनुसार खुद को जितने अधिक सही रूप में ढ़ाल लेता है, वह मानसिक रूप से उतना अधिक स्वस्थ्य कहलाता है। बालक को अपने आपको अपने प्राकृतिक एवं सामाजिक वातावरण के अनुकूल ढ़ालने को मनोवैज्ञानिक भाषा में समायोजन कहते हैं। मनोवैज्ञानिक "लैडेल" ने मानसिक स्वास्थ्य को इसी रूप में परिभाषित किया है इनके शब्दो में "मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है

वास्तविकता की धरातल पर पर्यावरण से पर्याप्त समायोजन की योग्यता।" [Mental health means the ability to make adequate adjustment to the environment on the plane of reality – Ladell (बिहारी, रमन लाल एवं मानव, राम निवास, 2004–05 प्रथम संस्करण से उद्धृत)]
समायोजन करने की योग्यता उन बालकों में अधिक होती है जो अपनी भावनाओं, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं औ आदर्शो में संतुलन बना कर रख सकते है, कुप्पूस्वामी ने मानसिक स्वास्थ्य को इसी आधार पर परिभाषित किया है– मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है व्यक्ति द्वारा अपने दैनिक जीवन में भावनाओं, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और आदर्शो में संतुलन बनाए रखने की योग्यता। इसका अर्थ है जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने और उनको स्वीकार करने की योग्यता। [Mental health means the ability to balance feeling, desires, ambitions and ideals in ones daily life. It means the ability to face and accept the reality of life. – Kuppaswami (बिहारी, रमन लाल एवं मानव, राम निवास, 2004–05 प्रथम संस्करण से उद्धृत)]

इन दोनों परिभाषाओं को लेकर हम मानसिक स्वास्थ्य को इस रूप में परिभाषित करते है–

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है व्यक्ति द्वारा अपनी भावनाओं, इच्छाओं, महत्वकाक्षाओं और आदर्शो को वास्तविक धरातल तक सीमित रखने और अपने आपको पर्यावरण के अनुसार ढ़ालने और उसके साथ समायोजन करने अथवा अपने वातावरण को अपने अनुकूल ढ़ालने और उसके साथ समायोजन की योग्यता।

मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित शोध साहित्य :–
Khantawong, P.N.T. (2004) ने मादक पदार्थ सेवन करने वाले छात्र तथा मादक पदार्थ सेवन न करने वाले माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। न्यादर्श में यादृच्छीकृत विधि द्वारा थाईलैण्ड देश के लैम्पैंग के माध्यमिक स्तर के 200–200 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया। परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि मादक पदार्थ सेवन न करने वाले विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य मादक पदार्थ सेवन करने वाले विद्यार्थियों की तुलना में उत्तम था एवं जिन विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उत्तम था उनकी शैक्षिक उपलब्धि का प्रदर्शन उच्च था। Shankar, S. P. & Jebaraj, R. (2006) ने अनाथ किशोरावस्था के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया। इनके अध्ययन का एक उद्देश्य अनाथ किशोरावस्था के बालकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना भी था। इन्होंने न्यादर्श में 9 से 15 वर्ष के उम्र के 52 लड़के व 28 लड़कियों को लिया। इनके अध्ययन में पाया गया कि अनाथ किशोरावस्था के बालकों का मानसिक स्वास्थ्य उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक प्रभाव डालता था। Kaur, Balvinder (2010) ने माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य, संवेगात्मक बुद्धि और आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया। इनके अध्ययन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक व शासकीय माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की तुलना करना तथा इन शिक्षिकों के मानसिक स्वास्थ्य तथा संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि में सहसम्बन्ध देखना था। इसके लिए 500 अध्यापक, अध्यापिकाओं न्यादर्श में सम्मिलित किया गया। परिणामों

से ज्ञात हुआ कि लिंग एवं विद्यालय के प्रकार के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य में अंतर था। पुरूष अध्यापकों का मानसिक स्वास्थ्य महिला अध्यापकों से अच्छा पाया गया तथा इन शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य, संवेगात्मक बुद्धि एवं आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।

अर्चना (2011) ने मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में किशोरों की बुद्धि, नैतिक निर्णय व व्यक्तित्व का अध्ययन किया। इस अध्ययन हेतु 10 विद्यालयों से 820 किशोरों को प्रतिदर्श में चुना गया। ऑकड़ों के संग्रह हेतु सिंह और गुप्ता (1978) द्वारा निर्मित सामान्य स्वास्थ्य बैटरी, जलोटा (1982) द्वारा निर्मित सामान्य मानसिक स्वास्थ्य योग्यता परीक्षण और स्वयं व आइजैंक द्वारा निर्मित व्यक्तित्व प्रश्नावली का उपयोग किया। अध्ययन के निष्कर्षों में मानसिक स्वास्थ्य का नैतिक निर्णय, बुद्धि व व्यक्तित्व के अंर्तमुखी व बर्हिमुखी आयाम के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि जिन किशोरों के नैतिक निर्णय, बुद्धि व अंर्तमुखी व बर्हिमुखी व्यक्तित्व अच्छा था उनका मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा था, और जिनके नैतिक निर्णय, बुद्धि व अंर्तमुखी व बर्हिमुखी व्यक्तित्व निम्न कोटि के थे उनका मानसिक स्वास्थ्य निम्न पाया गया। आलम, मेहताब (2012) ने विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन हेतु इन्होंने 702 विद्यार्थियों का न्यादर्श लिया। जिनमें 474 छात्र व 228 छात्रायें सम्मिलित थी। न्यादर्श एकत्र करने हेतु इन्होंने अरूण कुमार सिंह एवं अल्पना सेन द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का प्रयोग किया। यह बैटरी छः सूचकों में विभक्त थी, भावात्मक स्थिरता, पूर्ण समायोजन, स्वायत्ता, सुरक्षा, असुरक्षा, स्वप्रत्यय व बुद्धि। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण हेतु इन्होंने मध्यमान, मानक विचलन व टी. परीक्षण का प्रयोग किया। अध्ययन के निष्कर्षों में पाया गया कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मानसिक स्वास्थ्य का सार्थक प्रभाव पड़ता है। अधिक शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सामान्य व कम रहे व कम उपलब्धि रखने वाले विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य निम्न पाया गया। Bartwal, Ramesh Singh (2014) ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा सामाजिक बुद्धि के अध्ययन के निष्कर्षों में पाया कि जिन विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होता है उनकी सामाजिक बुद्धि का उच्च होती है। Kour, Jasbir & Arora, Babita (2014) तथा Gilavand, Abdolreza & Shooriab, M. (2016) ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया व अध्ययन के निष्कर्षों में पाया कि जिन विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होता है उनकी शैक्षिक उपलब्धि का प्रदर्शन उच्च होता है तथा साथ ही बताया कि विद्यार्थियों के सर्वागींण विकास में मानसिक स्वास्थ्य का अहम योगदान है।

कोई भी विद्यार्थी अपनी गतिविधियों को सुचारू रूप से तभी सम्पन्न कर सकता है जब वह शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो, और अपने कार्य क्षेत्र से सन्तुष्ट हो तथा उसमें अधिक से अधिक मानसिक संतोष प्राप्त हो। क्योकि असन्तुष्ट विद्यार्थी को असफलता का सामना करना पडता है जिससे विद्यार्थी का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है अतः शिक्षा जगत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह समाज के प्रमुख घटक अर्थात् छात्र के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने मे महत्वपूर्ण भमिका निर्वाह करें।

अतः बालक के भावी जीवन के विकास के लिए यह आवश्यक है कि उन सभी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का यथासम्भव अध्ययन करने का प्रयास किया जाये जो कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य क्षति पहुँचाते हैं अथवा विद्यार्थियों के समुचित विकास में सहायक है।

शोध प्रश्न :–

1.माध्यमिक स्तर में पढ़ने वाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति क्या है?
2.माध्यमिक स्तर में पढ़ने वाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले विभिन्न आयामों की स्थिति क्या है?

उद्देश्य :–

1.माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
2.माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले विभिन्न आयामों यथार्थवादी खुश रहनाए स्वायत्ताए संवेगात्मक स्थायित्व व समाजिक परिपक्वता का अध्ययन करना।

परिसीमांकन :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन केवल उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन की कालपी तहसील तक सीमित है। तथा इस शोध अध्ययन में केवल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त कक्षा 9 व 10 के छात्रों को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

समष्टि :–

इस अध्ययन हेतु जनपद जालौन के माध्यमिक स्तर के समस्त छात्र इस अध्ययन की समष्टि है।

प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन विधि :–

इस अध्ययन हेतु 250 माध्यमिक स्तर के छात्र प्रतिदर्श है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिये शोधकर्त्ता द्वारा उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन की कुल 5 तहसीलों (उरई, कालपी, जालौन, कोंच व माधौगढ)में से साधारण यादृच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर एक तहसील कालपी का चयन किया गया है, कालपी तहसील के कुल 32 सहशिक्षा संचालित माध्यमिक विद्यालयों मे से साधारण यादृच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर 14 विद्यालयों चयन किया गया है। तत्पश्चात् साधारण याच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर कक्षा 9 तथा 10 के 250 छात्रों का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया गया है।

शोध उपकरण :–

प्रस्तुत शोध कार्य में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के मापन हेतु "डॉ0 तारेस भाटिया एवं डॉ0 एस. सी. शर्मा द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य मापनी (MHS) का प्रयोग किया गया है, जोकि हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में है। इस मापनी में मानसिक स्वास्थ्य के मापन के हेतु 5 आयामों (यथार्थवादी, खुश रहना, स्वायत्तता, संवेगात्मक स्थायित्व तथा समाजिक परिपक्वता) को सम्मिलित किया गया है।

सांख्यिकीय तकनीक :–

उपकरण से प्राप्त प्राप्तांकों को विभिन्न तालिकाओं में व्यवस्थित कर उनका विश्लेषण प्रतिशतता की गणना कर किया गया है तथा दण्डआरेख

के द्वारा आँकड़ों की प्रतिशतता को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या :–

उपकरणों द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण कर परिणामों की व्याख्या उद्देश्यों के क्रम में निम्नलिखित है–
1.माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
उपरोक्त उद्देश्य का अध्ययन प्रतिशत द्वारा किया गया है जिसके परिणाम तालिका–01 में दर्शाये गयें हैं।

तालिका–1
मानसिक स्वास्थ्य मापनी के विभिन्न स्तरों पर छात्रों की प्रतिशतता

मानसिक स्वास्थ्य	अत्यधिक उच्च	उच्च	औसत	निम्न	अत्यधिक निम्न
प्रतिशतता (%)	0.8%	37.2%	62%	0%	0%
(N=250)	2	93	155	0	0

प्रदत्तों का विश्लेषण :– उपरोक्त तालिका संख्या–1 में मानसिक स्वास्थ्य मापनी के विभिन्न स्तरों पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्राप्त 250 छात्रों के प्रदत्तों का अध्ययन प्रतिशत द्वारा कर उनका विश्लेषण प्रदर्शित किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य के अत्यधिक स्तर उच्च से निम्न स्तरों पर क्रमशः 0.8%, 37. 2%, 62%:, 0%, 0% छात्र है।

दण्डआरेख संख्या – 1
मानसिक स्वास्थ्य मापनी के विभिन्न स्तरों पर छात्रों के प्रतिषत का दण्डआरेख

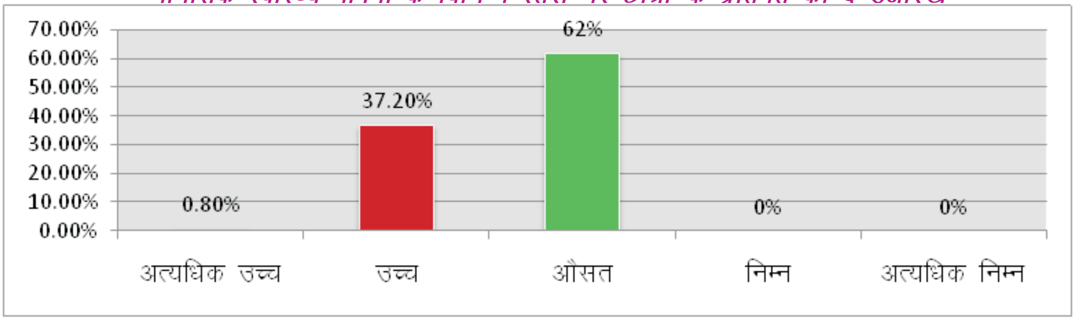

परिणाम की व्याख्या :– उपरोक्त विश्लेषण यह इंगित करता है कि न्यादर्श में चयनित कुल 250 माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में .08% (02) छात्र अत्यधिक उच्च मानसिक स्वास्थ्य स्तर के है, 37.2% (93) छात्र उच्च मानसिक स्वास्थ्य स्तर के है, 62% (155) छात्र औसत मानसिक स्वास्थ्य स्तर के है तथा निम्न व औसत से निम्न मानसिक स्वास्थ्य स्तर पर छात्रों की प्रतिशतता शून्य है।

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिणाम इंगित करते है कि 100% छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य औसत व औसत से अधिक है इसके प्रमुख कारण छात्रों का यथार्थवादी होना, उनका खुश रहना, उनमे स्वयात्ता का होना, उनमे संवेगात्मक स्थायित्व का होना व उनमे सामाजिक परिपक्वता का होना इत्यादि रहे है।

2. माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले विभिन्न आयामों यथार्थवादी खुश रहनाए स्वायत्रताए संवेगात्मक स्थायित्व व समाजिक परिपक्वता का अध्ययन करना।
उपरोक्त उद्देश्य का अध्ययन प्रतिशतता द्वारा किया गया है जिसके परिणाम तालिका–02 में दर्शाये गयें हैं।

तालिका–2
मानसिक स्वास्थ्य मापनी के उपआयाम के विभिन्न स्तरों पर छात्रों की प्रतिशतता

मानसिक स्वास्थ्य के उपआयाम (N=250)	अत्यधिक उच्च	उच्च	औसत	निम्न	अत्यधिक निम्न
यथार्थवादी	4.4%	64.4%	30.8%	0.4%	0%
खुश रहना	21.2%	73.6%	5.2%	0%	0%
स्वायत्ता	29.2%	57.2%	13.6%	0%	0%
संवेगात्मक स्थायित्व	20.8%	30.4%	40%	8.8%	0%
समाजिक परिपक्वता	28.8%	25.2%	46%	0%	0%

Volume - 6 | Issue - 11 | December - 2016

प्रदत्तों का विश्लेषण :– उपरोक्त तालिका संख्या–2 में मानसिक स्वास्थ्य मापनी के आयामों के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त 250 छात्रों के प्रदत्तों का अध्ययन प्रतिशत द्वारा कर उनका विश्लेषण प्रदर्शित किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य के यथार्थवादी (Realistic) आयाम में अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न स्तरों पर क्रमशः 4.4%, 64.4%, 30.8%, 0.4%, 0% छात्र हैए खुश रहना (Joyful Living) आयाम में अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न स्तरों पर क्रमशः 21.2%, 73.6%, 5.2%, 0%, 0% छात्र हैए स्वायत्ता (Autonomy) आयाम में अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न स्तरों पर क्रमशः 29.2%, 57. 2%, 13.6%, 0%, 0% छात्र हैए संवेगात्मक स्थायित्व (Emotional Stability) आयाम में स्तर अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न स्तरों पर क्रमशः 20. 8%, 30.4%, 40%, 8.8%, 0% छात्र है तथा समाजिक परिपक्वता (Social Maturity) आयाम में अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न स्तरों पर क्रमशः 28.8%, 25.2%, 46%, 0%, 0% छात्र है।

दण्डआरेख संख्या – 2
मानसिक स्वास्थ्य मापनी के आयामों के विभिन्न स्तरों पर छात्रों के प्रतिशत का दण्डआरेख

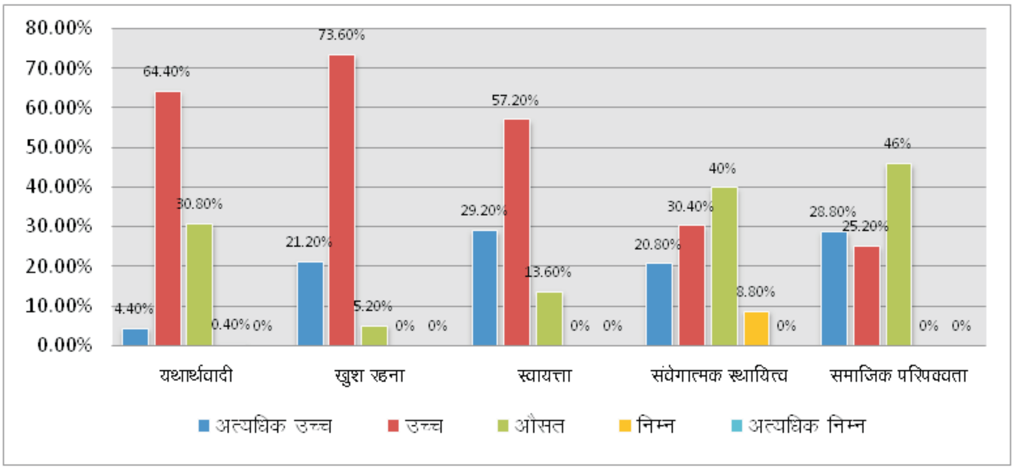

परिणाम की व्याख्या :– उपरोक्त विश्लेषण यह इंगित करता है कि न्यादर्श में चयनित कुल 250 माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य मापनी के यथार्थवादी ;त्मंसपेजपबद्ध आयाम पर 68.8% छात्रों का स्तर औसत से अधिक, 30.8% छात्रों का स्तर औसत व 0.4% छात्रों का स्तर औसत से निम्न है। मापनी के खुश रहना (Joyful Living) आयाम पर 94.8% छात्रों का स्तर औसत से अधिक, 5.2% छात्रों का स्तर औसत व 0% छात्रों का स्तर औसत से निम्न है। मापनी के स्वायत्ता (Autonomy) आयाम पर 86.4% छात्रों का स्तर औसत से अधिक, 13.6% छात्रों का स्तर औसत व 0% छात्रों का स्तर औसत से निम्न है। मापनी के संवेगात्मक स्थायित्व (Emotional Stability) आयाम पर 51.2% छात्रों का स्तर औसत से अधिक, 40% छात्रों का स्तर औसत व 8.8% छात्रों का स्तर औसत से निम्न है। मापनी के समाजिक परिपक्वता (Social Maturity) आयाम पर 54% छात्रों का स्तर औसत से अधिक, 46% छात्रों का स्तर औसत व 0% छात्रों का स्तर औसत से निम्न है।

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिणाम इंगित करता है कि औसत व औसत से अधिक लगभग 100% छात्र यथार्थवादी है, इसके प्रमुख कारण छात्रों सोचने एवं करने का तरीका वैज्ञानिक होना, पुरानी मान्यताओं रीतिरिवाजो व अंधविश्वास में कमी आना इत्यादि रहे है। परिणामों में खुश रहने की स्तर 100% छात्रों में औसत व औसत से अधिक है, इसके प्रमुख कारण अभिभावकों का छात्रों के प्रति ध्यान देना, उनकी आवश्यकताओं को पूरा हो जाना, उनके विचारो को स्वीकार कर लेना, उनमे किसी प्रकार का दबाव व तनाव न होना, चिंता मुक्त होना व मनोरंजन खेलकूद इत्यादि के साधनों का उपलब्ध होना इत्यादि रहे है। परिणामों में 100% छात्रों की स्वयात्ता का स्तर औसत व औसत से अधिक है, इसके प्रमुख कारण छात्रों में निर्णय लेने की क्षमता, पारिवारिक व सामाजिक प्रतिबंधों में कमी, व्यक्तिगत सोच में वैज्ञानिक का समवेश, भय का न होना इत्यादि रहे है। परिणामों में 91% छात्रों का संवेगात्मक स्थायित्व का स्तर औसत व औसत से अधिक है, इसके प्रमुख कारण छात्रों में संवेगो का नियंत्रण, संवेगात्मक रूप से परिपक्व, संवेगात्मक विसंगतियों में कमी, सम्प्रत्यों मी समझ सामाजिक रूप से समायोजी व्यावहार का करना व आत्म नियंत्रण का होना इत्यादि रहे है। परिणामों में 100% छात्रों सामाजिक परिपक्व का स्तर औसत व औसत से अधिक है, इसके प्रमुख कारण छात्रों को जिम्मेदारियां सौपना, उनमें अनुशाशन का होना, सामान्यीकरण और समायोजन की योग्यता व अमूर्त चिंतन की योग्यता का विकास होना इत्यादि रहे है।

निष्कर्ष :–

माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य अध्ययन करने पर पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के अत्यधिक उच्च स्तर पर 0.8% ही छात्र है तथा शेष छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य औसत व औसत से उच्च है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के अत्यधिक निम्न स्तर को निर्धारित में पाँचों आयामों का योगदान शून्य है, तथा अत्यधिक उच्च को निर्धारित करने वाले आयामों में पाँचों आयामों का योगदान है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के अत्यधिक उच्च स्तर को निर्धारित करने में पाँचों आयामों में अधिक से कम की ओर क्रमशः स्वायत्ता (Autonomy), समाजिक परिपक्वता (Social Maturity), खुश रहना (Joyful Living), संवेगात्मक स्थायित्व (Emotional Stability) तथा यथार्थवादी (Realistic) का योगदान है। निष्कर्षतः छात्रों के मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने में सर्वाधिक योगदान खुश रहना है तथा दूसरा योगदान यथार्थवादी होना है।

सन्दर्भ सूची :–

1.Bartwal, Ramesh Singh. (2014). To Study The Mental Health Of Senior Secondary Students In Relation To Their Social Intelligence. IOSR Journal of Humanities And Social Science, 19(2). Retrvid from http://iosrjournals.org/iosr-jhss/papers/Vol19-issue2/Version-1/B019210610.pdf on 15/02/2106

2.Gilavand, Abdolreza & Shooriab, M. (2016). Investigating the Relationship between Mental Health and Academic Achievement of Dental Students of Ahvaz Jundishapur University of Medical Sciences. International Journal of Medical Research & Health Sciences,2(7).

3.Kaur, Jasbir & Arora, Babita. (2014). Study of academic achievement in relation to mental health of adolescent. International Journal of Medical Research & Health Sciences, 2(4).

4.Kaur, Balvinder (2010). A Study of mental health emotional and spiritual intelligence of government and denominational secondary school teachers. Ph.D. in Education. Panjab University, Chandigarh.

5.Khantawong, P.N.T. (2004). Comprative study of mental health and academic achivement of drug users and non drug users in secondary schools students of Thailand. Ph.D. in Education. Panjab University, Chandigarh.

6.Shankar, S. P. & Jebaraj, R. (2006). Mental health of Tsunami affected Adolescent orphan children”. Edutracks, 6(2), p.38-40.

7.Archna (2011). A study of mental health of adolescents in relation to moral judgement, intelligence and personality. Ph.d. in education. Department of Education and Community Service Punjabi University, Patiala.

8.आलम, मेहताब (2012). कक्षा आठ में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मानसिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक अभिरूचि के प्रभाव का अध्ययन. पी–एच.डी. शिक्षाशास्त्र. एम.जे.पी.आर. विश्वविद्यालय बरेली.

9.लाल, रमन बिहारी एवं मानव, राम निवास (2004–05). शिक्षा मनोविज्ञान, प्रथम संस्करण. मेरठः रस्तोगी पब्लिकेशन्स.

सन्दीप कुमार श्रीवास
शोध छात्र, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)

डॉ. अरुण कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org